ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:12 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 26 मई 2025
वर्ष 6, अंक 185, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

आत्म मंथन कर मानसी ने बचाई सैनिक की जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रिद्धिमा में नाटक आत्म मंथन का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार को लेखिका उमा भटनागर के नाटक आत्म मंथन का मंचन हुआ। यह नाटक एक छोटे से परिवार में एक-दूसरे से भावनात्मक जुड़ाव और अपने प्रियजनों को खोने के बाद कैसे एक बेटी पर घर की जिम्मेदारी आने की कहानी है। नाटक माता-पिता और दो बालिग बच्चे मानव और मानसी पर केंद्रित है।

मानव सैन्य अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो जाती है, सदमे से उसके पिता की मृत्यु हो जाती है। वियोग में मानसी की मां को ब्रेन ट्यूमर हो जाता है। वहीं मानसी को भाई मानव हमेशा सपने में अपनी जान बचाने के लिए बुलाता दिखता है, लेकिन इस बात का जिक्र मानसी किसी से नहीं करती है और अकेले घुटती है। मां के इलाज और घर की अन्य जिम्मेदारी उठाने को मानसी दिल्ली में एक नौकरी करने लगती है। एक रोज ट्रेन पकड़ने के लिए मानसी स्टेशन के वेटिंग रूम में अखबार में किसी सैनिक को बी निगेटिव ग्रुप के खून की जरूरत की खबर पढ़ती है। उसका ब्लड ग्रुप भी बी निगेटिव है, लेकिन सैनिक बनने के दौरान भाई की मृत्यु के ख्याल से मानसी को सैनिक शब्द से भी घृणा हो चुकी है, लेकिन मानसी अपनी अंतरात्मा की बात सुन, सैनिक को खून देकर उसकी जान बचाती है। बाद में मानसी को पता चलता है कि उसने जिसकी जान बचाई उसका नाम लेफ्टिनेंट मानव है, तब उसे एहसास होता है जैसे उसने अपने भाई की जान बचाली। नाटक यहीं पर खत्म होता है। नाटक में मानसी का किरदार मेघा सक्सेना, डॉ. सुषमा सिंह ने मां, विनायक श्रीवास्तव ने पिता, गौरव कार्की ने मानव की भूमिका निभाई। वहीं अन्य कलाकार सौरभ रस्तोगी, अनमोल मिश्रा, गौरिका शर्मा, दिव्यांश शर्मा ने भी अभिनय किया। नाटक का निर्देशन विनायक श्रीवास्तव ने और डॉ. प्रभाकर गुप्ता व अश्वनी ने नाट्य रूपांतरण किया। नाटक में सूत्रधार संजय सक्सेना रहे। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश मौजूद रहे।